Tattvarthadhigam Sutram Part 08

Folder No.	022492
Granth Name	Tattvarthadhigam Sutram Part 08
Author	Rajshekharsuri, Dharmshekharvijay, Divyashekharvijay
Publisher	Arihant Aradhak Trust
Edition	1
Year	2014
Pages	194

તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૮

ફોલ્ડર નં.	૦૨૨૪૯૨
ગ્રન્થ	તત્ત્વાર્થાધિગમ સૂત્રમ્ ભાગ ૦૮
લેખક	રાજશેખસૂરિ, ધર્મશેખવિજય, દિવ્યશેખરવિજય
પ્રકાશક	અરિહંત આરાધક ટ્રસ્ટ
આવૃત્તિ	૧
પ્રકાશન વર્ષ	૨૦૧૪
પૃષ્ઠ	૧૯૪

મુખ્ય ટાઈટલ

सुकृतम् ---------- २
भूमिका ---------- ३
संपादकनी संवेदना ---------- ११
विषयानुक्रम---------- १३
सूत्र-१ मिथ्यादर्शनाविरतिप्रमादकषाययोगा बन्धहेतव ---------- २
सूत्र-२ सकषायत्वाज्जीवः कर्मणो योग्यान् पुद्गलान् ---------- १०
सूत्र-३ स बन्ध ---------- १५
सूत्र-४ प्रकृतिस्थित्यनुभावप्रदेशास्तद्विधय ---------- १७
सूत्र-५ आद्यो ज्ञानदर्शनावरणवेदनीयमोहनीयायुष्कनामगोत्रान्तराया ---------- २२
सूत्र-६ पञ्चनवद्व्यष्टाविंशतिचतुर्द्विचत्वारिंशद्द्विपञ्चभेदा यथाक्रमम् ---------- २६
सूत्र-७ मत्यादीनां ---------- २८
सूत्र-८ चक्षुरच्छक्षुरवधिकेवलानां निद्रानिद्रानिद्राप्रचलाप्रचला ---------- ३२
सूत्र-९ सदसद्वेद्ये ---------- ३४
सूत्र-१० दर्शनचारित्रमोहनीयकषायनोकषायवेदनीयाख्या ---------- ३६
सूत्र-११ नारकतैर्यग्योनमानुषदैवानि ---------- ७०
सूत्र-१२ गतिजातिशरीराङ्गोपाङ्गनिर्माणबन्धसङ्घात ---------- ७२
सूत्र-१३ उच्चैर्नीचैश्च ---------- ११७
सूत्र-१४ दानादीनां ---------- ११९
सूत्र-१५ आदितस्तिसृणामन्तरायस्य च त्रिंशत्सागरोपमकोटीकोट्य ---------- १२३
सूत्र-१६ सप्ततिर्मोहनीयस्य ---------- १२४
सूत्र-१७ नामगोत्रयोर्विंशति ---------- १२५

सूत्र-१८ त्रयत्रिंशत् सागरोपमाण्यायुष्कस्य ---------- १२६
सूत्र-१९ अपरा द्वादशमुहूर्ता वेदनीयस्य ---------- १२७
सूत्र-२० नामगोत्रयोरष्टौ ---------- १३१
सूत्र-२१ शेषाणामन्तर्मुहूर्तम् ---------- १३३
सूत्र-२२ विपाकोनुभाव ---------- १३४
सूत्र-२३ स यथानाम ---------- १४५
सूत्र-२४ ततश्च निर्जरा ---------- १४७
सूत्र-२५ नामप्रत्यया सर्वतो योगविशेषात् ---------- १५०
सूत्र-२६ सद्वेद्यसम्यक्त्वहास्यरतिपुरुषवेदशुभायुर्नामगोत्राणि ---------- १६२